(iii) BPCL's proposal for construction of Marketing Terminal at Sikka and laying of Petroleum Product Pipeline for transportation of MS, SKO & HSD from Sikka to Kandla.

(iv) BPCL's proposal for construction of a crude oil terminal at Vadinar.

(v) Bids for development of small-sized fields, Karjisan and Wadhera under the First Offer, and the following mediunvsmall-sized oil and gas fields under the Second Offer, are also under process:—

Nawagam (Lower Pay)]
South Kadi
Wasna iMcdium-sizcd fields
AnklesJiwar (EOR)

North Kathana"?
North Balol
Dholsasan
Sanganpur
Alloray Small-sized fields
Oganj
Kanawara
Unawa

(c) It is not possible at this stage to indicate the precise time by when the above mentioned projectyschemes would be cleared.

कच्चे तेल का उत्पादन

1643. **श्री अजीत जोगी :** क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत दो-तीन वर्षों के दौरान कच्चे तेल के उत्पादन में बिल्कुल भी वृद्धि नहीं हुई है,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या तेल उत्पादन संबंधी कुछ बड़ी परियोजनओं के शीघ्र ही पूरा हो जाने की संभावना है,

(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है औरउन परियोजनाओं को पूरा हो जाने पर कितना उत्पादन होने का अनुमान है, और

(ड़) इन परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) और (ख) जी नहीं । गत दो वर्षों के दौरान कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि की प्रवृद्धि परिलक्षित हुई है, जैसा कि नीचे दी गयी तालिका में दर्शाया गया है:-

वर्ष	कच्चे तेल का उत्पादन (मि0 मी0 टन)
1992-93	26.95
1993-94	27.02
1994-95	32.24

(ग) और (घ) निम्नलिखित प्रमुख तेल उत्पादन परियोजनाओं/योजनाओं के निकट भविष्य में पूरा होने की संभावना है:-

(1) बम्बई अपतट में बी-121/119 संरचना का विकास ।

(2) गंधार क्षेत्र का विकास ।

(3) मुक्ता, पन्ना तथा राव्वा का विकास ।

(4) बलोल तथा संथाल में इ ओ आर योजनाओं का क्रियान्वयन ।

ऐसी आशा है कि इन परियोजनाओं के पूरा हो जाने पर कच्चे तेल का उत्पादन बढ़कर लगभग 40 मि0 मि0 टन हो जाएगा ।

(ड़) परियोजनाओं की प्रगति पर निगरानी रखने के लिए किए गए उपायों में निम्नलिखित शामिल है,

(i) संबद्ध सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में परियोजनाओं की परियोजना, क्षेत्रीय तथा बोर्ड स्तर पर निगरानी ।

(ii) मंत्रालय मे निगरानी कक्ष द्वारा मासिक पुनरीक्षा तथा मंत्रालय द्वारा त्रैमासिक कार्यनिष्पादन पुनरीक्षा ।